# सुरीली साली-1

“मेरी बीवी की बहन... मेरी साली... वह मुझे अपना सबसे प्रिय व्यक्ति कहती है। 'मेरे सबसे प्यारे जीजाजी' आप बहो.ऽ.त बहो.ऽ.त अच्छे हैं, ('हो' को खींचकर बोलती है) 'ये मेरा लक है कि आप जैसे जीजा मिले'। मैं पूछता हूँ आपका लक या दीदी का ?

''दीदी का''... और मंद छलकती हँसी। ...”

**Story By:** (happy123soul)
**Posted:** शनिवार, दिसम्बर 23rd, 2017
**Categories:** जीजा साली की चुदाई
**Online version:** सुरीली साली-1


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# सुरीली साली-1

जीजाजी ..ऽ..ऽ…

हल्की-सी देर तक खिंचती आवाज जो एक सुरीली-सी फुसफुसाहट में यकायक टूटती है। कुछ लोग बोलते हैं तो ऐसा लगता है उसमें संगीत बज रहा हो। बातों की धारा में हँसी की तरंगें। सदा प्रसन्न रहने की प्रकृति से उत्पन्न स्वाभाविक हँसी पर तैरती वह सांगीतिक आवाज! काश वह आवाज जिन्दगी भर के लिए मेरे साथ होती!

जीजाजी ..ऽ..ऽ…

आह! शादी के बीस साल गुजर जाने के बाद भी यह पुकार कलेजे में हूक पैदा करती है। फोन पर भी वह आवाज कानों में मिसरी घोलती है। मेरी शादी तय होने के अगले दिन ही मुझे देखने आई थी और उसके दमकते रूप के साथ उसकी हँसी मिश्रित मीठी आवाज कलेजे में नश्तर की तरह उतर गई। वह अपनी बहन से कितनी ज्यादा सुंदर थी! काश यही मेरी बीवी बनती! उस दिन मैंने कितना सिर धुना। काश इस लड़की को मैं पहले देख लेता। बरसों इंतजार क्यों न करना पड़े, कर लेता, पर शादी इसी लड़की से करता। लेकिन अब तो बात पक्की हो चुकी थी। और कल्पना में तमाम आकाश-पाताल के कुलाबे मिलाने (अपनी 'लड़की' को गोली तक मार देने की भी) के बावजूद पक्की हो चुकी बात से फिर सकना गवारा नहीं हुआ। यों मेरी वाली 'लड़की' भी कम सुंदर और 'सुभाषी' नहीं थी लेकिन साली तो उससे बढ़कर थी।

शादी के बाद मैं अपनी पत्नी के रूप-सौंदर्य और गुणों में खो गया। उसने अपने प्यार और सौंदर्य से मुझे मोह कर रखा। लेकिन शादी के बीस साल बाद आज भी रात के अंधेरे शयनकक्ष में कल्पना करता हूँ कि पिंकी की गर्म संघर्ष के क्षणों में उसकी कराहटों की –

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

”आ..ऽ..ऽ..ह… ऊ..ऽ..ऽ..ह… एँ..ऽ..ऽ..ह!!”
”जीजाजी..ऽ..ऽ…”
मन के सन्नाटे में गूंजती रहनेवाली आवाज। हाय !!

वह मुझे अपना सबसे प्रिय व्यक्ति कहती है। ‘मेरे सबसे प्यारे जीजाजी’ आप बहो.ऽत बहो.ऽत अच्छे हैं, (‘हो’ को खींचकर बोलती है) ‘ये मेरा लक है कि आप जैसे जीजा मिले’। मैं पूछता हूँ आपका लक या दीदी का ? ”दीदी का”… और मंद छलकती हँसी। मुझे उस समय और बहुत जोर से लगता है उसके मन में भी वही आग जल रही है जो मेरे मन में। लेकिन भले मानुस की झिझक छूट लेने नहीं देती।

लेकिन निरंतर जलने वाली दिल की आग का शायद कोई अलौकिक असर होता होगा! कहानियों से बाहर भी कभी ख्वाब अप्रत्याशित रूप से हकीकत बन जाते हैं। कभी सोचा न था कि सौंदर्य की वह उमड़ती नदी मेरे पहलू में बहेगी – इत्मीनान से, रात भर, और मैं उसकी धारा में डूब-डूबकर स्नान करूंगा। वह भी अकेले नहीं, अपनी पत्नी, उसकी बहन के साथ। उस रात एक नहीं, दो नदियाँ बहीं – रूप, रस, रंग की उमड़ती धाराएँ। अस्तित्व का रेशा-रेशा, पोर-पोर धन्य हो गया।

… … …

इस अद्भुत घटना का रंगमंच बना कलकत्ते से थोड़ी दूर स्थित दीघा का मनोरम समुद्र तट जहाँ नारियल पेड़ों से रेखित समतल किनारे और स्वच्छ रेती महानगर की भीड़ और शोर से अलग मन को शांति और स्फूर्ति प्रदान करते हैं। हम वहाँ अक्सर जाते हैं। हमने वहाँ एक रिसॉर्ट की सदस्यता ले रखी है। वहाँ हम जब भी जाते, समुद्रतट के शांत सौंदर्य के बीच पिंकी की जरूर याद आती – वह होती तो कितना अच्छा लगता, दिल्ली की भीड़भाड़ से अलग वह यहाँ कितना एंजाय करती। मैं अपनी लिबरल पत्नी से जीजोचित छेड़छाड़ के साथ उसके बारे में बात करता और मन-ही-मन उसके पानी में भीगे यौवन की कल्पना

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

करता – चिपकी फ्राक में उठे हुए वक्ष, उनपर उभरती अंदर ब्रा के किनारे और उसके कपों की सिलाई की लाइन, पीठ में ब्रा के फीते की धंसी हुई लकीर ! कमर, नितंबों, जांघों की गोलाइयों को जाहिर करती चिपकी फ्रॉक और शलवार ! काश कभी वो और मैं अकेले हों इस एकांत में !

हमने कई बार पिंकी और उसके पति को दीघा चलने का आमंत्रण दिया लेकिन उन्हें समय नहीं मिल पाता। कुणाल गुड़गाँव दिल्ली में एक मल्टी नेशनल ड्रग फैक्ट्री के प्रोडक्शन इंचार्ज थे। सुबह जल्दी जाना और देर रात लौटना ; घर में भी फोन पर व्यस्त रहना। फिर भी हमारी तारीफ सुन-सुनकर वे दीघा जाने को उत्सुक हो गए थे ; काफी मुश्किल से उन्हें छुट्टी मिली, दशहरे के समय। बस दो दिन की। हमने ऑफर किया कि पिंकी चार-पाँच पूजा को ही कोलकाता आ जाए और यहाँ की दुर्गा पूजा देख ले। दशमी के दिन कुणाल फ्लाइट से कोलकाता आएंगे और एयरपोर्ट से सीधे स्टेशन आकर उसी रात हम लोगों के साथ दीघा की ट्रेन पकड़ लेंगे।

हमने दीघा की ट्रेन में चार सीटों का आरक्षण करवा लिया। दीघा यूँ तो शांत रहता है लेकिन त्योहारों के समय वहाँ बड़ी भीड़ होती है, होटलों में जगह नहीं मिलती। हमारे ठहरने की तो समस्या नहीं थी क्योंकि वहाँ हमने एक रिसॉर्ट की सदस्यता ले रखी है। उन दोनों के लिए होटल खोजने में बड़ी मुश्किल हुई। किस्मत ने साथ दिया – एक महंगे होटल में एक खासा महंगा कमरा बुकिंग कैन्सिलेशन से खाली हुआ था, उसमें जगह मिल गई। वह होटल हमारे रिसॉर्ट से ज्यादा दूर भी नहीं था।

अब हम पिंकी का इंतजार कर रहे थे। ज्यादा दिन नहीं बचे थे। पंद्रह दिनों बाद निश्चित समय पर उसकी ट्रेन आ गई। हम पति-पत्नी उसे स्टेशन से ले आए। थोड़ा भर गई थी, पके आम की तरह। मुझे उसे देखते देखकर पत्नी ने मुझे आँख मारी।
दुर्गा पूजा की गहमागहमी, पंडालों पर लम्बी-लम्बी लाइनें; एक से बढ़कर एक चकित कर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

देने वाले पंडाल ; भव्यता और कलात्मकता में एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हुए। सड़कों पर न मिटने वाला जाम, लाउडस्पीकरों का शोर, दूर-दूर तक पाँव-पैदल चलने की मजबूरी। भीड़ में उसके शरीर का सामीप्य और कितने ही स्पर्श पसीने और थकान के आगे बेअसर, अनसुने चले गए। हम मजाक करते, चलो थकान दूर कर दें। वह ना करती तो कहते अब पति आ रहे हैं, उन्हीं से थकान उतरवाएगी।

दशमी का दिन ; हम तीन घंटे पहले ही स्टेशन के लिए रवाना हो गए। उधर कुणाल भी फ्लाइट पकड़ने निकल चुके थे। कुछ ही घंटों में वे हमारे साथ होंगे। ट्रेन छूटने का समय हो गया पर कुणाल नहीं आए। उनका फोन आया – फैक्ट्री में कोई चोरी की वारदात हुई थी और उन्हें एयरपोर्ट से ही लौटना पड़ा था। दशमी की छुट्टी के दिन किसी ने चोरी की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि आप लोग दीघा जाओ मैं कल आऊंगा।
पिंकी परेशान हो गई, हमने उसे ढांढस बंधाया।

सुबह दीघा पहुँचकर असली समस्या आ खड़ी हुई – पिंकी कहाँ ठहरे।
कुणाल को फोन लगाया। कुछ स्टाफ को पुलिस थाने ले गई थी जिसके लिए कुणाल को वहाँ रहना था। कुणाल ने कहा आप लोग इंजाय करो, मैं आज शाम नहीं तो कल आऊंगा।

अब यह तय था कि आज रात पिंकी को कुणाल के बगैर ही रहना था। उसका दूसरे होटल में अकेले कमरे में ठहरना मुश्किल था। हमारे रिसॉर्ट में एक अतिथि को ले जा सकने की सुविधा थी, लेकिन पिंकी चिंतित हो रही थी हमारा एकांत भंग होगा और हम एंजॉय नहीं कर सकेंगे। चिंतित मैं भी हो रहा था – वह रही तो हम पति-पत्नी तो कुछ नहीं कर पाएंगे। हमने कहा आज हमारे साथ ठहर जाओ। कल कुणाल आएंगे तो फिर होटल चली जाना। हमने होटल को फोन किया। उधर से बताया गया कि कमरा आज नहीं लेने पर बुकिंग रद्द हो जाएगी। हम लोगों ने होटल जाकर चेक इन कर लिया ताकि कमरा सुरक्षित रहे और फिर पिंकी को लेकर रिसॉर्ट चले आए।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दीघा का सूर्योदय ; समुद्र से निकलता सूर्य पूरे पानी को लाल कर देता है। लहरों पर आती लहरें मानों उमड़-उमड़कर सूर्य का स्वागत करती हैं; देखकर हम सारी परेशानी भूल गए। पिंकी को तो ऐसा दृश्य पहली बार हासिल हुआ था। वह जिस कपड़े में आई थी उसी में समुद्र में घुस पड़ी। सुमन ने मेरी ओर देखा। हम दोनों ने भी अपने कपड़ों का संकोच खत्म किया और पानी में घुस पड़े। भीगी पिंकी को नजदीक से देखने का मोह मुझे यों भी रोकने वाला कहाँ था।

पानी में हिलकोरे, आती हुई लहरों में सिर झुकाकर डुबकियाँ लगाना, पानी में उछल-उछलकर खेलना... दोनों बहनों के भीगे कोमल चेहरों पर सूरज की लाली, खासकर पिंकी के अपेक्षाकृत गोरे चेहरे पर, और बढ़कर सौदर्य रच रही थी। क्या इन लड़कियों को मालूम है कि मैं उनकी किन-किन बातों का रस ले रहा हूँ ? वे दोनों किलकारियाँ भर रही थीं। मैं भी उनके साथ खेल रहा था और उनके उछलते शरीरों में अंगों के आंदोलन और उनके उतार-चढ़ाव और बनावट का मजा ले रहा था। चिपके कपड़ों में बदन की एक-एक काट प्रकट हो जा रही थी। उस वक्त मैं देख लेता – नाभि का मोहक गड्ढा, स्तनों की नोकों का हल्का सा उभार और उन पर के काले रंग का आभास, पेट का हल्का सा वर्तुल उभार, जांघों की भरी-भरी गोलाई। उनके संधिस्थल का मांसल कोणीय उभार। बीच-बीच में वे बदन से एकदम चिपक गए कपड़ों को थोड़ा उठा देतीं, मगर पानी की अगली ही हिलोर उन्हें पुन : वापस चिपका देती। मैं भी अपने अंग को बार-बार छिपा रहा था। मैं साली की तुलना में अपनी पत्नी को देख रहा था। लग रहा था कि पहली बार उस दिन मैंने साली के सौंदर्य को अपनी पत्नी से बहुत बढ़ा कर देख लिया था। दोनों ही बहनें सुंदर थीं। एक गेंदा, एक गुलाब। दोनों ही अद्‌वितीय थीं। संयोग ने उन्हें एक साथ मेरे पास भेज तो दिया था मगर... मैंने भगवान से एक छुपी प्रार्थना की।

भीगी मुलायम रेत पर हमारे पाँवों के निशान बन रहे थे। पिंकी के पैरों की छाप देखकर जाने क्यों हृदय में तरुणाई के वक्त का एक एहसास तैर गया। उंगलियों और तलवे की

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गुद्दी की छाप ! कभी प्यार करने का मौका मिले तो उन्हें चूमूंगा ; मैंने उन गड्ढों में जान-बूझ कर कुछ कदम रखे।

रिसॉर्ट लौटकर हमने नहा कर आराम किया। कमरा काफी बड़ा था। उसमें ट्रिपल साइज का एक बड़ा सा बेड लगा था। मैं नहा कर लेट गया। दोनों बहनें एक ही साथ नहाने बाथरूम घुसीं और काफी वक्त लगा कर निकलीं। तब तक नाश्ता आ गया। नाश्ता करके मैं अखबार देखने के बहाने रिसेप्शन चला गया, ताकि दोनों बहनें आराम से लेट सकें।
दिन का समय घूमना-फिरना, दोपहर में खाना खाना और शाम को समुद्रतट पर बैठकर लहरों को निहारना। असली घड़ी रात को आने वाली थी। मैं उसका इंतजार भी कर रहा था और टालना भी चाह रहा था। मैं ध्यान रख रहा था – पिंकी कहीं मेरी अतिरिक्त रुचि से संकुचित न हो जाए। मैं मजाक भी करता तो बचते-बचते। सुमन फ्री थी। उसमें कहीं कोई चिंता या अतिरिक्त सावधानी नहीं थी। मेरी हँसी-मजाक को एंजॉय कर रही थी।

शाम को पिंकी का सिर दुख रहा था तो सुमन ने मुझे दबाने को कहा। (मैं सिर दबाना, मालिश वगैरह अच्छी करता हूँ।) पिंकी को उससे काफी राहत मिली ; मुझे अच्छा लगा। शाम को स्थानीय बाजार में घूमना, रात्रि का भोजन, कुछ गपशप… और वह घड़ी आ गई, जिसकी प्रतीक्षा मैं उत्सुकता और परेशानी के मिले-जुले भाव से कर रहा था। क्या होगा ? अगर सचमुच कुछ हो जाए तो आह, यह एक यादगार रात होगी ! पिंकी और सुमन दोनों ही दीघा में एकमात्र रात के लिए अपने-अपने लिए झीनी नाइटी लाई थीं। सुमन ने समझाया पहन लो ना, रात में लाइट तो बुझी रहेगी। पिंकी संकोच में रही। उसने साड़ी पहनने का निश्चय किया।

मैं उलझन में था। इच्छा हुई कि कहूँ कि मैं होटल में कमरे में चला जाता हूँ, पर यह बोलना और भी अधिक लगा।
मैंने प्रस्ताव किया कि मैं नीचे सो जाता हूँ पर 'ऐसा कैसे हो सकता है जीजाजी' ने इसका

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

निषेध कर दिया। कुछ देर तक नीचे सोने पर बेनतीजा बहस के बाद अंतत : जो सबसे स्वाभाविक संयोजन संभव था वही बना – बिस्तर के एक किनारे पर पिंकी को सुलाकर सुमन स्वयं बीच में आ गई और मेरे लिए उसने अपने बगल में जगह बना दी। साली बार-बार संकुचित हो रही थी... 'मैं खामखा कवाब में हड्डी बन गई। मेरी वजह से आप दोनों इंजॉय नहीं कर सकेंगे।' मैंने उसके अपराध बोध को मजाक में उड़ाने की कोशिश की, "साली का बिस्तर पर साथ रोज-रोज नहीं मिलता। आज की रात तो खास है।"

दोनों औरतों को एक साथ बिस्तर पर लम्बी होते देख पता नहीं क्यों मन में हिचक हो गई। मैंने कहा मैं थोड़ी देर छत पर होकर आता हूँ। सुमन का भी ऊपर आने का मन था पर वह पिंकी का साथ देने के लिए ठहर गई। उसकी "जल्दी आना" की हिदायत लेते हुए मैंने कमरे की चाबी उठाई और बाहर चला आया।

छत पर तारों भरा आसमान था। दीघा में इतनी आबादी नहीं कि नीचे मकानों, सड़कों में जलती रोशनी तारों की चमक को छिपा सके। गाड़ियों की बीच-बीच में आने वाली आवाजों के सिवा शांति थी। उस शांति में समुद्र का शोर एक अलग ही रहस्य घोल रहा था। जैसे दूर कोई दैत्य गरज रहा हो। कोई बेचैन इच्छा... कोई पुरानी तड़प... कोई अनसुनी रही पुकार... बंद दीवारों के पीछे से थपथपाती कोई अतृप्त आत्मा।
नीचे कमरे के अंधेरे में लेटी एक कामना विन्दु। पता नहीं सो रही है या जाग। उसे मेरे मन में उठते इन खयालों की कोई खबर भी है ? मैंने बेयरे को बार-बार चाय ड्रिंक वगैरह पूछने के लिए डाँटा और डिस्टर्ब नहीं करने की हिदायत दी। आसपास उपस्थित तीन-चार और लोगों से ध्यान मोड़कर मैं अपने मन के एकांत में डूब गया।
पिंकी... सो गई होगी क्या ? लहरों का गर्जन, हवा के झोंके, ऊपर तारों का एकांत। पिंकी, ओ पिंकी, क्या कर रही हो ? सिर अभी भी भारी है ?
हवा और तारों की स्फूर्ति के बावजूद मन में एक अलग ही भार बना हुआ था। नींद नहीं थी, पर मैं नीचे चला आया। पता नहीं पिंकी का खिंचाव था या पत्नी की जल्दी आने की

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हिदायत। पत्नी को मेरे बगैर नींद नहीं आती। जगी हुई मेरा इंतजार कर रही होगी।

मैंने बहुत धीरे से चाबी घुसाकर दरवाजा खोला। कहीं आवाज से नींद न खुल जाए। बहुत हल्के से दरवाजा बंदकर मैं कमरे के अंधेरे में बिस्तर टटोलता अपनी जगह पर लेट गया। एकमात्र खिड़की से आसमान का एक छोटा सा टुकड़ा दिख रहा था। तारों का छनता आलोक बस अंधेरे को थोड़ा सा पतला कर रहा था।
खिड़की से बाहर एक चमकीला तारा। दिन में पिंकी के माथे पर चमकीली लाल बिन्दी लगी थी। "जीजाजी"... वो हँसी छलकती आवाज... वो आवाज शैय्या पर मेरे इतने पास थी, मगर कितनी दूर। मैं उसके धड़कते नारी शरीर की कल्पना कर रहा था... अपने बगल से आती पत्नी की साँसों की आवाज में से अलग पिंकी की साँसों की आवाज ढूँढने की कोशिश कर रहा था।

"जीजाजी..." मेरे कान में फुसफुसाहट आई। मैं एकदम चौंक पड़ा। मेरा हाथ जो पत्नी के बदन पर पहुँच रहा था, एकदम से वापस खिंच गया। ये मैं साली के बगल में तो नहीं लेट गया ?
मगर मैं तो बिस्तर में दाहिने तरफ ही लेटा था ? इधर तो सुमन थी। वो कब उधर चली गई ? क्या दोनों बहनों ने जगह बदल ली ? मैं उलझन में दम साधे लेटा रहा।
"जीजाजी..." मगर इस बार मेरे कानों ने झूठ पकड़ लिया। सुमन मेरी परीक्षा ले रही थी। मुझे गुस्सा आया कैसे मुझे उस आवाज के बारे में गलतफहमी हो गई। लेकिन फिर भी मैं उस संभावना के आतंक में चुपचाप पड़ा रह गया।
हलकी हँसी की आवाज आई और एक हाथ ने मुझे घेर लिया।
"जानेमन..."

मैंने स्वयं में लिपटते पत्नी के हाथ को खींचा और उसकी शरारत का भरपूर जवाब देते हुए उसे जोर से अपने में भींच लिया। मेरी बाँहों के कसाव से उसकी कुछ क्षण साँस रुक गई।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने जकड़ ढीली की। उसने मुझे चूम लिया। एक आवाज रहित चुम्बन। बल्कि चुम्बन कम, होठों का रगड़ना, चूसना अधिक।
मेरी बाँहों में दबे मांसल, नर्म, धड़कते नारी शरीर के बगल में वैसी ही पतली नाइटी के पीछे एक युवा मांसल, सुंदर, जीवंत नारी शरीर था … किंतु पहुँच से दूर… छाया मात्र। मैं उस छाया को छू लेने के लिए लालायित था। लेकिन बीच में थीं सभ्यता, समाज, संस्कारों की अनुल्लंघनीय दीवारें।

मुझे डर लग रहा था, कहीं पिंकी को हमारी हरकतों का पता न चल जाए। अगर पता चल रहा होगा तो वह कितना लज्जित हो रही होगी। मैंने पत्नी के कान में फुसफुसाकर अपना डर जाहिर किया तो उसने आलिंगन की पकड़ और सख्त कर दी। उसका हाथ मेरी पीठ पर और अधिक दबाव के साथ घूमने लगा। मैं भी उसके चुम्बनों का जवाब दे रहा था। मेरे हाथ उसे जवाबी सहलाहटें पीठ पर, कमर पर, नितम्बों पर, पीछे पूरे बदन पर दिए जा रहे थे। औरत अगर मांग रही हो तो उसे अनसुना करना मुझे पुरुष के कर्तव्य के विरुद्ध लगता था। मैं सुमन की गर्दन के पीछे से पिंकी की भी आहट ले रहा था। कहीं वह जग तो नहीं रही है ?
मगर वह निस्पंद लेटी थी।

मेरा दायाँ हाथ घूमता-घूमता जब सामने आकर सुमन के उभारों पर जा पहुँचा तो उसके मुँह से अनायास एक आह निकल गई। मैंने दम साध लिया, हे भगवान ! कहीं पिंकी ने सुन न लिया हो। पर उसकी तरफ कोई हरकत नहीं थी।
मैंने सुमन को फुसफुसाकर चेताया और अपनी क्रिया जारी रखी। सुमन अपनी बढ़ती आनन्दानुभूति में खोई थी। मेरी हथेली में उसके चूचुक सख्त होकर चुभने लगे और मैं उन्हें नाइटी के ऊपर से ही मांस में दबाता हुआ मसलने लगा। मेरे होंठों पर उसके होठों की पकड़ सख्त हो गई। मैंने उसकी कराहटों को निकलने से बचाने के लिए मुँह पर मुँह जमा दिए। वह मुझे बार-बार पकड़ कर अपने में भींचने लगी। मेरे लिए भी नियंत्रण में रहना

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुश्किल होने लगा। मैंने आहिस्ते से उसके पैर पर अपना पैर चढ़ा दिया। कुछ उसे अपने में समाने के लिए कुछ उसे नियंत्रित करने की खातिर।

लेकिन चुम्बन गर्म थे और नाइटी की दीवार बहुत पतली। गर्माहट सीधे मेरे कलेजे के अंदर पहुँच रही थी। पकड़े जाने का भय उसमें अलग रोमांच घोल रहा था। तेज होती साँसों को बेआवाज रखने में मेहनत पड़ रही थी। पता नहीं कब मेरी उंगलियों ने उसके चूचुक को चुटकी में दबा देने की गलती कर दी और सुमन की चिहुँक गूंज गई। मैं एकदम से जड़ हो गया। मैंने सिर उठाकर देखा, पिंकी में कोई हरकत नहीं थी। सुमन मेरे होंठ खोकर मेरी गर्दन को चूम रही थी। मुझे उस पर थोड़ी खीझ हुई। कैसी बेपरवाह लड़की है। इसकी बहन इसकी बगल में है इसे कोई चिंता ही नहीं है। पर सुमन को अवश कर देने वाली उत्तेजना और उसका तुरंत प्रतिक्रिया करने वाला शरीर ही तो मुझे बहुत अच्छे लगते थे।

मेरा मुँह उसके स्तनों से मिलने के लिए मचल रहा था। चूचुकों की सख्ती उसे आतुरता से बुला रही थी। मैं धीरे धीरे नीचे खिसकने लगा। नाइटी पैरों तक लम्बी थी। सुमन की छातियों को निकालने के लिए नाइटी पीछे उसकी कमर से ऊपर तक चढ़ जाती। पीछे की तरफ पिंकी थी। सोचा, चलो नाइटी के ऊपर से ही स्तनों को चूस लूंगा। मैं नीचे खिसकने लगा। शायद इतनी ही दूर तक मजा लेना सुमन मान जाए।

लेकिन वो सुमन ही क्या जो मान जाए। वह स्वयं नाइटी ऊपर खिसकाने लगी। मैंने उसे रोका पर उसने मेरे हाथ दूर कर दिए। लग नहीं रहा था कि उसे पिंकी की कोई चिन्ता है। एक बार मन में आया जब वह स्वयं उसकी बहन होकर चिंतित नहीं है तो मैं तो पुरुष हूँ और ऊपर से उसका जीजा हूँ, मैं क्यों सोच रहा हूँ। लेकिन पिंकी मेरी इतनी इज्जत करती थी कि एकदम से उसकी चिंता छोड़ सकना संभव नहीं हुआ। क्या होगा अगर उसे बुरा लग गया तो ? क्या सोचेगी, जीजाजी मेरी खातिर एक रात भी संयम नहीं रख सके ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने सिर उठाकर देखा, वह उस तरफ करवट बदले स्थिर पड़ी थी। सुमन के पाँव नंगे थे। नाइटी उसके स्तनों की जड़ तक उठ चुकी थी और मेरे दाहिने हाथ ने अंदर घुसकर उन पर कब्जा जमा लिया था। दोलती, लचकती, हथेली की सतह में चूचुकों की रगड़ खिलाती छातियों का स्वर्गिक आनन्द ! ऊपर से स्त्री मुख मादक चुम्बन। मैंने कुछ क्षणों तक चिंता छोड़कर उसमें खुद को डूबने दिया। मैंने उस डूबने में भी मन में पिंकी के मुख की कल्पना के कुछ उत्तेजक दृश्य रच लिए। ऐसे ही ना-कुछ से पतले कपड़े के पीछे उसका सुमन से युवा, धड़कता शरीर होगा। जी में आया एक बार हाथ बढ़ाकर उसे छू लूँ।

'सुमन ! सुमन !' मैंने पत्नी के गालों पर हल्की चपत दी। 'होश में आओ।' पर उसने रुकने की बजाय मुझे और जोर से पकड़ लिया। इतने से ने उसकी इच्छा और बढ़ा दी थी। उसकी प्रार्थना को टालना मुझ जैसे कर्तव्यपरायण पति के लिए संभव नहीं था। और फिर मेरे लिंग पर सुमन के हाथ की पकड़ ने तो मेरी दुविधा बहुत ही कम कर दी। मैंने आगे बढ़ने की सोच ली। कुछ होगा तो सुमन ही सम्हालेगी। मैं और नीचे खिसका और नाइटी उठाकर उसके स्तनों पर मुँह लगा दिया। हल्की सी आआआ... आआह की आवाज कानों में आई और सुमन मेरे सिर पर हाथ फेरने लगी।

होने दो जो होता है। मैं क्या कर सकता हूँ ? पिंकी का खयाल छोड़ मैंने गति बढ़ा दी। मैं बारी बारी से उसके दोनों स्तन चूसने लगा। सुमन मेरे सिर पर हाथ फेरती हुई अपनी छाती पर दबाने लगी। वह अपनी जांघों को आपस में रगड़ रही थी। मैंने उनके बीच हाथ घुसा दिया और जांघों की मांसल रगड़ का आनन्द लेने लगा। आह... औरत का पोर पोर मजा देता है। मैं सोच रहा था इसके बगल में लेटी दूसरी जोड़ी जांघों की के बारे में। क्या वे भी उत्तेजना में अकड़ी हैं ? क्या वे भी आपस में रगड़ खा रही है ? मैं कल्पना कर रहा था उन जांघों के बीच मेरा पाँव मसला जा रहा हो... मेरा सिर उनके बीच कुचला जा रहा हो और मेरे होंठ उनकी गहरी संधि रेखा पर जमे हों। उनमें के गीलेपन की सोचकर मेरे मुँह में पानी भर आया। मैंने सुमन का चेक किया। यहाँ भी गीलापन छलछला रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे मन में इच्छा उभरी – काश, पिंकी हमारी इस क्रीड़ा को जान ले और उत्तेजित हो जाए। फिर उत्तेजना में ही खुद को समर्पित कर दे। फिर हँसी आई, कितनी दूर की ख्याली बातें सोच रहा हूँ। ऐसा कोई औरत थोड़े ही करेगी। और कोई पत्नी अपनी बहन को अपने पति से ही थोड़े ही संभोग करवा देगी। लेकिन उस वक्त बिस्तर की एकदम पास की नजदीकी में रात के अंधेरे और एकांत में यह कल्पना कोई वास्तव में ही हो जाने लायक बात जान पड़ी। मैंने भगवान को याद किया और उनसे एकदम सच्चे मन से इसकी प्रार्थना की।

मैं सावधानी बरत रहा था चूचुकों के चूसने में मेरे मुँह से चुम्हलाने की आवाज न निकल जाए। सुमन को भी चुप रहने में काफी कोशिश करनी पड़ रही थी। उसकी योनि के अंदर मेरी उंगली पहुँच गई थी और अंगूठा भग-होठों के भीतर के गुदगुदे मांस को सहला रहा था। मैं भगनासा को छूने से रोक रहा था, नहीं तो निश्चय ही सुमन की आवाज निकल जाती। अकेले होती तो अभी खुलकर शोर करती। वह मुझे भींच रही थी और अब अपनी टांग मेरी टांग पर चढ़ा कर मुझसे अपने अंदर प्रवेश करने का संकेत दे रही थी। बगल में साली की मौजूदगी की सनसनी के कारण मेरा लिंग कड़क रहा था।

पिंकी वैसे ही दूसरी तरफ मुँह किए स्थिर लेटी थी। मुझे पक्का लग रहा था कि उसको पता चल गया होगा। बगल में इतनी हरकत हो रही हो तो कोई कैसे सो सकता है। वो भी स्त्री-पुरुष की यौन क्रीड़ा की हरकत।

मैंने सुमन के पैरों को अपनी टांगों के बीच दबोचने की कोशिश की। और इसी समय वह गलती हो गई। मेरा पैर पिंकी के नितम्बों से जा टकराया। सुमन को भी तुरंत पता चल गया और उसने तुरंत मेरे पैर को खींचने की कोशिश की। लेकिन जैसे ही उसने मेरे पैरे को पकड़ने के लिए पीछे हाथ बढ़ाया उसकी कुहनी पिंकी की पीठ से टकरा गई। ये दोनों चीजें मानों पलक झपकते ही हो गई। हम दोनों की साँस रुक गई। देखने लगे पिंकी की क्या

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हरकत होती है।

वह जैसे की तैसे पड़ी रही। उससे हम काफी जोर से टकराए थे। फिर भी यदि वह स्थिर थी तो इसका मतलब साफ था। वह सब कुछ जान रही है। मैंने पत्नी को देखा और पत्नी ने मुझे। हम समझ गए कि राज खुल चुका है और अब इसको छिपाने की कोशिश बेकार है। अब अगर हम छोड़ देते हैं तो भी पिंकी को यही सोचेगी कि उसकी वजह से हमने नहीं किया। उसे कितना बुरा लगेगा हमारी मैरिज डे खराब करने का। तब शर्म और पछतावे के मारे हमसे आँख भी न मिला पाएगी। बड़ी संकोच और दुविधा की स्थिति थी।

मुझे यह भी लग रहा था कि अगर वह जान रही थी तो निश्चय ही वह उत्तेजित भी हो गई होगी। इतनी पास की रतिक्रीड़ा से कोई बिना प्रभावित हुए कैसे रह सकता है।
मैं सिर उठाए उसे देख रहा था। सुमन भी उसे देख रही थी। पिंकी का ऊपरी हाथ जांघों पर सीधा न रहकर कमर पर कुहनी से मुड़कर आगे को गया हुआ था। मुझे लग रहा था कि वह हाथ उसकी जांघों के बीच में है और जब हम अपनी हरकतें कर रहे थे तब वह भी अपनी उस जगह को चुपके चुपके सहला रही थी।

हम दोनों पति पत्नी एक-दूसरे की आँखों में देखने लगे। हमारे सिर जैसे एक साथ सहमति में हिले।
सुमन ने हाथ बढ़ाया और पिंकी को पकड़कर अपनी ओर खींचा। वह उसे धीरे-धीरे करवट की अवस्था से चित्त अवस्था में ले आई। मैंने देखा पिंकी का हाथ उसके पेड़ू के पास ही था और उसकी नाइटी जाँघों के बीच घुसी हुई थी। वह लम्बी साँसें ले रही थी। मेरी नजर खिड़की से बाहर चली गई जहाँ आसमान का एक छोटा सा टुकड़ा तारों की रोशनी के पीछे मुँह छुपा रहा था।
सुमन ने पिंकी की हथेली अपने हाथों में लिया और सहलाने लगी। पिंकी कस कर अपनी आँखें बंद किए थी और उसका वक्ष ऊपर-नीचे हो रहा था। देखकर मैं रोमांच से भर गया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सुमन ने पिंकी की हथेली में चिकोटी काटी और फिर उसे मेरे हाथ में पकड़ा दिया।

“नहीं दीदी !” पिंकी बोल पड़ी। हालाँकि उसकी आँखें बंद थी।

पिंकी की गर्म, गीली हथेली को पकड़कर मेरा लिंग जोर से धड़क गया। पिंकी ने हाथ खींचने की कोशिश की लेकिन मैंने उसे जोर से पकड़ लिया। कुछ देर तक वह छुड़ाने के लिए जोर लगाती रही फिर शांत पड़ गई। मैं उसके हाथ को सहलाने लगा, सुमन की ही तरह। कुछ देर बाद सहलाते सहलाते आगे बढ़ने लगा, कुहनी के जोड़ की तरफ, उसके ऊपर बाँह की मछली की तरफ, धीरे धीरे उसके कंधे की तरफ। सुमन, मेरी पत्नी, उसका हाथ पकड़े उसको बीच बीच में हाथ खींच लेने से रोक रही थी।

मैंने नीचे हाथ बढ़ाकर उसकी जांघों के बीच घुसी नाइटी को खींचा। अनायास ही उसने उसे जांघों के बीच दबाने की कोशिश की। लेकिन तुरंत अपनी इस हरकत का अर्थ समझ में आते ही शर्मा कर जांघें ढीली कर दीं। मैं हँस पड़ा।
“नहीं… दीदी, देखो ना !” पिंकी ने फिर कोशिश की।
उसकी आवाज में याचना थी। सुनकर मेरी उत्तेजना बढ़ गई। मेरा लिंग सुमन की जांघ पर धड़का और सुमन ने हाथ बढ़ा कर उसे पकड़ लिया। मानों उसे मुट्ठी में भींच भींचकर सांत्वना दे रही हो – “धैर्य धरो, तुम्हारी वर्षों की इच्छा पूरी होने वाली है।”
मैंने सुमन को चूम लिया। इस बार मैं निस्संकोच रहा, चूमने की आवाज को दबाने की कोई कोशिश नहीं की।

पिंकी के लिए छुटकारे की सीमा दूर होती चली जा रही थी। हम उसे कुशल शिकारी की तरह अपने इलाके में खींचते ला रहे थे। वह अंदर ही अंदर छटपटा रही थी। मैं पिंकी का हाथ सहलाता एकदम ऊपर चला गया। उसकी जड़ के पास, काँख की गर्म जगह में हथेली घुसाकर कुछ देर तक गरमाहट को महसूस किया और फिर हाथ को फिराता हुआ ऊपर ले आया। कितना मुलायम और भरा-भरा उभार था। ऊपर एक सख्त नोंक अपनी उपस्थिति

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जतला रही थी।

पिंकी मेरी हरकत से चौंकी। उसने दूसरा हाथ उठाया और हमारी तरफ मुड़कर बोली, "दीदी, क्या कर रही हो, छोड़ो।" अभी भी उसमें शरम थी और मुझे सीधे संबोधित करने से बच रही थी। हालाँकि दूसरे हाथ से मुझसे छूटने की कोशिश कर रही थी। सुमन ने उसके दूसरे हाथ को पकड़ते हुए कहा, "जीजाजी हैं, चिंता न करो। आज हमारी मैरिज की रात है। तुम मेरी बहन हो।"
मुझे कहने की इच्छा हुई, "साली तो आधी घर वाली होती है। ?" लेकिन यह एक सस्ता डायलॉग होता। मुझे चुप ही रहना चाहिए। यह मामला सुमन के ही सम्हालने के लिए है।
"डरो मत पिंकी", मैंने गंभीर आवाज में कहा, "हम दोनों तुम्हारी बहुत रिस्पेक्ट करते हैं।"
यह कहना अजीब था, लेकिन मेरा ध्यान था स्त्री मन की उस बहुत बड़ी दुविधा पर, कि कहीं सेक्स के लिए समर्पण करने पर उसे सस्ता न समझ लिया जाए। मैंने उसको आश्वस्त करने के लिए उसकी सबसे बड़ी खूबी पर निशाना मारा, "You are so beautiful!" मै झूठ भी नहीं था। उसके पहले दिन से ही मैं उसके सौंदर्य पर फिदा था।

मैंने उसका हाथ अपने होठों से लगा कर चूम लिया। पिंकी सन्न रही। उसके हाथ को चूमते हुए मुझे उसकी उंगलियों के पास से अजीब सी गंध आई। औरत की योनि की।
मैं उठा और दूसरी तरफ, यानी पिंकी के बाजू में चला आया ; आकर मैंने उसके सकुचाते, शर्माते दूसरे हाथ को पकड़कर सीधा करके अपने बदन के नीचे दबा लिया।
दूसरी तरफ से सुमन उसका कंधा दबाकर उस पर झुक गई।

कहानी जारी रहेगी.
happy123soul@yahoo.com

कहानी का अगला भाग : सुरीली साली-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other stories you may be interested in

## सुरीली साली-2

कहानी का पहला भाग : सुरीली साली-1 हिरनी दो शेरों के बीच लेटी थी। भयभीत भी, किंतु खा लिए जाने के लिए इच्छुक भी। लेकिन मरने का आनन्द कितना सुहाना था ! और नाइटी की बेहद झीनी ओट भला क्या सुरक्षा […]
Full Story >>>

## पड़ोसी शर्मीले लड़के को पटा कर चुत चुदाई का मजा लिया

मैं राज गर्ग एक बार फिर से हाज़िर हूँ दोस्तो, माफी चाहूँगा स्टोरी देर से लिखने के लिए ! आप सभी जानते हो कि मैं वाइफ स्वैपिंग क्लब चलाता हूँ जिसमें बहुत सारे कपल सदस्य हैं जो बीवियों और पतियों की […]
Full Story >>>

## बड़ी दीदी ने चुत और गांड की चुदाई करवाई

दोस्तो, मेरा नाम अगम जैन है, मैं 12वीं में पढ़ता हूँ. मेरी हाइट 5 फुट 8 इंच है. मेरी सेक्स स्टोरी पढ़िए और मजा लीजिये. मेरी एक बहन है, विया जैन.. मेरी बहन मुझ से 5 साल बड़ी हैं. मेरी […]
Full Story >>>

## आए थे घूमने, चोद दी चूतें-2

कहानी का पिछला भाग : आए थे घूमने, चोद दी चूतें-1 अब तक की चुदाई की कहानी में आपने मेरी गर्लफ्रेंड की सहेली नेहा को मेरे सामने नंगी होते हुए पढ़ लिया था. अब आगे.. फिर मैंने धीरे धीरे अपने होंठों […]
Full Story >>>

## अपने यार से मैंने गांड मरवा ली

नमस्कार दोस्तो, कैसे हो आप सब… माफ़ करना बहुत टाइम बाद वापस आई हूँ. तो प्लीज़ मुझे बताना कि आप सबका काम मेरे बिना कैसे चला… सब मज़े ले रहे हो ना ? मैं भी बहुत टाइम से बाहर कनाडा गई […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other sites in IPE

## Antarvasna Hindi Stories

**URL:** www.antarvasnahindistories.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Antarvasna Hindi Sex stories gives you daily updated sex stories.

## Kambi Malayalam Kathakal

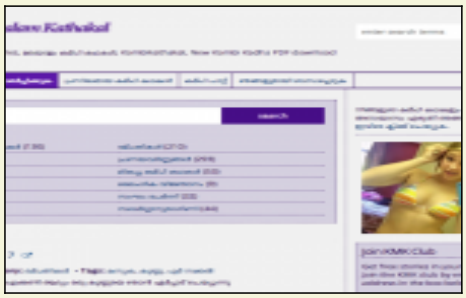

**URL:** www.kambimalayalamkathakal.com **Average traffic per day:** 31 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Stories **Target country:** India Daily updated hot erotic Malayalam stories.

## Kannada sex stories

**URL:** www.kannadasexstories.com **Average traffic per day:** 13 000 GA sessions **Site language:** Kannada **Site type:** Story **Target country:** India Big collection of Kannada sex stories in Kannada font.

## Savita Bhabhi Movie

**URL:** www.savitabhabhimovie.com **Site language:** English (movie - English, Hindi) **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated erotic movie.

## Kinara Lane

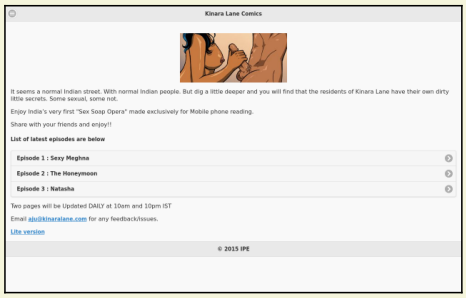


**URL:** www.kinaralane.com **Site language:** English **Site type:** Comic **Target country:** India A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

## Tanglish Sex Stories

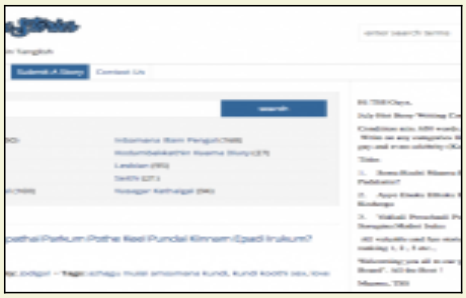

**URL:** www.tanglishsexstories.com **Average traffic per day:** 5 000 GA sessions **Site language:** Tanglish **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated hot erotic Tanglish stories.


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*